NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th

Subject : हिंदी

Chapter : 6

Chapter Name : शुक्रतारे के समान

Q1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए-

1 महादेव भाई अपना परिचय किस रूप में देते थे?

2 'यंग इंडिया' साप्ताहिक में लेखों की कमी क्यों रहने लगी थी?

3 गांधीजी ने 'यंग इंडिया' प्रकाशित करने के विषय में क्या निश्चय किया?

4 गांधीजी से मिलने से पहले महादेव भाई कहाँ नौकरी करते थे?

5 महादेव भाई के झोलों में क्या भरा रहता था?

6 महादेव भाई ने गांधीजी की कौन-सी प्रसिद्ध पुस्तक का अनुवाद किया था?

7 अहमदाबाद से कौन-से दो साप्ताहिक निकलते थे?

8 महादेव भाई दिन में कितनी देर काम करते थे?

9 महादेव भाई से गांधीजी की निकटता किस वाक्य से सिद्व होती है?

Answer. 1. महादेव भाई अपना परिचय खुद को गांधी जी का 'हम्माल' या फिर 'पीर-बावर्ची-भिश्ती-खर'

के रूप में

देते थे और खुद को बड़ा गौरवान्वित अनुभव करते थे ।

2. यंग इंडिया के मुख्य लेखक हार्नीमेन जो क्रोनिकल संपादक थे उन्हें देश निकाला दिया गया था, क्योंकि वह गाँधीजी के अनुयायी थे। जिससे उन्हें इंग्लैड जाना पडा और इससे 'यंग इंडिया' का मुख्य लिखने वाला चला गया था।

3. गाँधीजी सत्याग्रह आन्दोलन में व्यस्तता इतनी बढ़ गयी थी, इसलिए उन्होने यह निश्चय किया की यंग इंडिया हफ्ते में दो बार ही प्रकाशित होगी।

aglasem.com

4. गाँधीजी से मिलने से पहले जब महादेव भाई विद्यार्थी थे तब वह सरकार के अनुवाद विभाग में कार्य किया करते थे। उन्होंने अपने मित्र नरहरी सिंह के अहमदाबाद में वकालत भी शुरू की थी।

5. महादेव के झोले में सदैव समाचार पत्र, मासिक पत्रिकाएँ और पुस्तकें ठूंस ठूंस कर भरी रहती थी।

6. गाँधीजी की प्रसिद्ध पुस्तक 'सत्य के प्रयोग' का महादेव जी ने अंग्रेजी में अनुवाद किया था।

7.. 'यंग इंडिया' एवं 'नवजीवन' यह दो साप्ताहिक अहमदाबाद से निकलते थे।

8 . महादेव भाई पूरे दिन में लगभग 17-18 घंटे काम करते थे।

9 . महादेव कि मृत्यु के बाग़ गांधीजी भजन कि यह पंक्ति दोहराते थे 'ऐ रे जखम जोगे नहि जशे'-वह घाव कभी योग से भरेगा नहीं। इस वाक्य से गाँधीजी ये महादेव जी की निकटता सिद्ध होती है

Page : 62 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए-

Q1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25 - 30 शब्दों में) दीजिए :-

1 गाँधीजी ने महादेव को अपना वारिस कब कहा था?

2 गांधीजी से मिलने आने वालों के लिए महादेव भाई क्या करते थे?

3 महादेव भाई की साहित्यिक देन क्या है?

4 महादेव भाई की अकाल मृत्यु का कारण क्या था?

5 महादेव भाई के लिखे नोट के विषय में गाँधीजी क्या कहते थे?

Answer. 1. महादेव को गाँधीजी एक पुत्र से बढ़कर समझते थे, वे उनके लिए पुत्र ही थे। सन 1917 में वे गाँधीजी के पास गये थे। गाँधीजी ने उन्हें तुरंत ही पहचान लिया, और उनको अपने उत्तराधिकारी की गद्दी दे दी। अर्थात् उत्तराधिकारी, अपना वारिस घोषित कर दिया। गाँधीजी जब 1919 में जलियॉवाला बाग हत्याकांड के बाद पंजाब जा रहे थे, जब पलवल रेलवे स्टेशन पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। तभी गाँधीजी ने महादेव भाई को अपना उत्तराधिकारी (वारिस) घोषित किया था। और अपना वारिस कहा

aglasem.com

था और उसी दिन से वे गांधीजी के वारिस के रूप में पूरे देश के लाडले बन गए।

2. गाँधीजी से मिलने आने-वालों से महादेव जी खुद भी मिलते-जुलते थे, उनकी परेशानियां एवं समस्याएं भी सुनते थे। और उनकी एक संक्षिप्त विवरण या टिप्पणी तैयार करते और गाँधीजी के सामने पेश किया करते थे, फिर उसके बाद जो लोग अपनी समस्याएं लेकर आते थे, उनकी वह गाँधीजी के साथ आमने सामने मुलाकात करवाते थे।

3. महादेव भाई देश - विदेश के समाचार पत्र में गाँधीजी की रोज (प्रतिदिन) की गतिविधियों पर टीका-टिप्पणी करते रहते थे। उन्होने 'सत्य का प्रयोग' का अंग्रेजी में अनुवाद किया जो गाँधीजी के जीवन पर आधारित उनकी आत्मकथा थी। वे प्रतिदिन डायरी लिखते थे। उनकी साहित्य को देन वह डायरी और अनगिनत अभ्यास पुस्तकें आज भी मौजूद हैं। उन्होंने शरद बाबू टैगोर आदि की कहानियों का भी अनुवाद किया गया, 'यंग इंडिया' में लेख लिखा करते थे ।

4. महादेव भाई वे भरी गर्मी में वध्ार से पैदल चलकर सेकग्राम आते थे और वापस जाते थे। यह आने जाने का सिलसिला बड़े लंबे समय तक चला। 11 मील रोज गर्मी मे पैदल आना जाना, धीरे-धीरे उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ने लगा और अचानक उनकी अकाल मृत्यु हो गई।

5. महादेव भाई की लेखन की प्रतिभा अद्वितीय थी। उनके लिखे हुए नोट के विषय में गाँधीजी का कहना था कि 'वे सटीक लिखते थे, उसमें कभी कोई गलती मतलब कभी एक कॉमा की भी गलती उनसे नहीं होती है, और उनकी लिखावट तो इतनी सुन्दर थी कि अँगरेज़ ऑफिसर्स भी मंत्रमुग्ध थे ।

Page : 63 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25 - 30 शब्दों में) दीजिए :-

Q2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए-
1 पंजाब में फ़ौजी शासन ने क्या कहर बरसाया?
2 महादेव जी के किन गुणों ने उन्हें सबका लाडला बना दिया था?

3 महादेव जी की लिखावट की क्या विशेषताएँ थी?

Answer. 1. पंजाब में फ़ौजी शासन ने बहुत कहर बरसाया। अधिक से अधिक नेताओं को गिरफ्तार किया गया, और गिरफ्तार करने के फौजी कानून के अंतर्गत जन्म कैद की सजा देकर,काला पानी भेज दिया गया। लाहौर के मुख्य राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक पत्र 'ट्रिब्यून' के संपादक को 10 साल की सजा सुनाई गई, एवं 1919 में जलियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ, और लोगों पर बहुत अत्याचार किए गए, सबको प्रताड़ितत किया गया।

2. महादेव जी प्रतिभा संपन्न व्यक्ति थे। वे अपने स्वभाव से विनम्र एवं कर्तव्य के प्रति निष्ठा रखने वाले थे। उनकी लिखने की शैली का सभी लोहा मानते थे। वे जो कट्टर विरोधी होते थे उनके साथ भी सत्यनिष्ठता और विवेक से युक्त बातें किया करते थे। वे गाँधीजी के सहयोगी थे। उनका ज्यादातर समय गाँधीजी के साथ देश घूमने तथा उनकी प्रतिदिन की दिनचर्या गतिविधियों में बीतने लगा। वे समय-समय पर गाँधीजी की गतिविधियों और कार्यकलापों पर टिप्पणी किया करते थे। देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लोकप्रिय थे। इन्हीं सब कारणों से वह सबके लाड़ले थे।

3. महादेव जी की लिखावट शुद्ध एवं अतिसुंदर थी, उनके अक्षर बहुत ही सुंदर होते थे, उनके अक्षरों का कोई सानी न था। वाइसराय को जाने वाले पत्र गाँधीजी हमेशा महादेव जी से ही लिखवाते थे। उन पत्रों को देखकर वाइसराय भी लंबी साँस लेते थे। उनकी लिखावट और उनका लेखन सबको मोह लेता था, सबको मंत्र मुग्ध कर देता था। बड़े-बडे सिविलियन और गवर्नर भी कहा करते थे कि पूरे ब्रिटिश सर्विसों में उनके समान अक्षर लिखने वाला कोई भी नहीं था।

Page : 63 , Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए-

Q3 निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिएः-
1 अपना परिचय उनके 'पीर-बावर्ची-भिश्ती-खर' के रूप में देने में वे गौरवान्वित महसूस करते थे।'

2 इस पेशे में आमतौर पर स्याह को सफेद और सफेद को स्याह करना होता था।

3 देश और दुनिया को मुग्ध करके शुक्रतारे की तरह ही अचानक अस्त हो गए।

4 उन पत्रों को देख-देखकर दिल्ली और शिमला में बैठे वाइसराय लंबी साँस-उसाँस लेते रहते थे।

Answer. 1. इस पंक्ति में लेखक गाँधीजी के निजि सचिव की निष्ठा, समर्पण एवं उनकी प्रतिभा को दर्शाते हुए खुद को उनका निजि सचिव ही नहीं बल्कि एक सहयोगी मित्र की तरह मानते है जो सदैव उनके साथ रहेगा। वह गाँधीजी का साथ उनके दैनिक कार्यो जैसे भोजन में उनका साथ देते थे। वह हर कार्य बड़ी ही कुशलता से करते थे और यही कारण था कि वह खुद को गाँधीजी का 'पीर-बावर्ची-मिश्ती-श्वर' कहते थे।

2. गाँधीजी ने वकालत इसलिए छोड़ी क्योंकि एक वकील का काम सही को गलत तथा गलत को सही करना होता है। यहां काले कारनामों को भी सही माना जाता है एवं सही को गलत करार दिया जाता है।और गांधीजी सत्य और अहिंसा के अनुयायी थे जो गलत का साथ कभी नहीं देते इसीलिए उन्होने वकालत नही की।

3. निम्न पंक्ति में महादेव देसाई को शुक्रतारे की उपाधि दी गई है। जिस प्रकार शुक्र तारा सबसे ज्यादा मोहित करता है उसी प्रकार वह भी कम समय में लोगों को मुग्ध कर देते थे।उनके किसी भी कार्य को करने का तरीका बेहद अलग और सटीक था ।भारतीय जनता ही नहीं अंग्रेजी अफसर भी उनके कार्य की

सराहना किये बिना नहीं रहते थे, परंतु दुर्भाग्य से यह तारा कम उम्र में ही 1935 में अस्त हो गया।

4. महादेव जी के लेख बड़े ही मनमोहक होते थे। वह जो लेख पत्र में लिखकर गाँधीजी को भेजा करते थे वह दिल्ली और शिमला में बैठे वाइस-राय भी पढ़कर हैरान रह जाते थे। उनकी लिखावट भी बड़ी सुंदर थी जिसे देख वह पढ़कर हैरान रह जाते थे।

Page : 63 , Block Name : निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिएः-

Q1 'इक' प्रत्यय लगाकर शब्दों का निर्माण कीजिए-

सप्ताह	-	साप्ताहिक	अर्थ	-	.....
साहित्य	-	.....	धर्म	-	.....
व्यक्ति	-	.....	मास	-	.....
राजनीति	-	.....	वर्ष	-	.....

Answer. सप्ताह - साप्ताहिक

साहित्य - साहित्यक

व्यक्ति - वैयक्तिक

राजनीति - राजनैतिक

अर्थ - आर्थिक

धर्म - धार्मिक

मास - मासिक

वर्ष - वार्षिक

Page : 63 , Block Name : भाषा अध्ययन

aglasem.com

Q2 नीचे दिए गए उपसर्गों का उपयुक्त प्रयोग करते हुए शब्द बनाइए-

अ, नि, अन, दुर, वि, वुफ, पर, सु, अधि

आर्य - ..... आगत - .....

डर - ..... आकर्षण -. .....

क्रय - ..... मार्ग - .....

उपस्थित - ..... लोक - .....

नायक - ..... .भाग्य - .....

Answer. (1) आर्य - अनार्य

(2) डर - निडर

(3) उपस्थित - अनुपस्थित

(4) नायक - अधिनायक

(5) आगत - स्वागत

(6) मार्ग - कुमार्ग

(7) लोक - परलोक

(8) भाग्य - दुर्भाग्य

aglasem.com

Page : 63 , Block Name : भाषा अध्ययन

Q3 नम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

आड़े हाथों लेना अस्त हो जाना

दाँतों तले अंगुली दबाना मंत्रा-मुग्ध करना

लोहे के चने चबाना

Answer. (1) आड़े हाथों लेना - शिक्षक ने बदमाश छात्रों को आड़े हाथों लिया।

(2) अस्त हो जाना - भगत सिंह जैसा महान तारा आसमान से जल्दी अस्त हो गया।

(3) दाँतों तले उँगली दबाना - नए महलों की सुंदरता देखकर सबने दाँतो तले ऊँगली दबा ली।

(4) मंत्र-मुग्ध करना - प्रकृति सदैव हमें मंत्र-मुग्ध कर देती है।

(5) लोहे के चने चबाना - इतनी कठिन परीक्षा में सफल होना तो लोहे के चने चबाने जैसा है।

Page : 64 , Block Name : भाषा अध्ययन

Q4 निम्नलिखित शब्दों के पर्याय लिखिए-

वारिस - ..... जिगरी - ..... कहर - .....

मुकाम - ..... रूबरू - ..... फर्क - .....

तालीम - ..... गिरफ्तार- .....

Answer. (1) वारिस - उत्तराधिकारी

(2)जिगरी - करीब

(3) कहर - मुसीबत

(4) मुकाम - लक्ष्य

(5) रूबरू - समक्ष

aglasem.com

(6) फर्क - अंतर

(7) तालीम - शिक्षा

(8) गिरफ्तार - कैद

Page : 64 , Block Name : भाषा अध्ययन

Q1 गाँधीजी कि आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग ' को पुस्तकालय से लेकर पढ़िए ।

Answer. छात्र स्वयं करें ।

Page : 65 , Block Name : योग्यता विस्तार

Q2 जलियाँवाला बाग़ में कौन- घटना हुई थी?जानकारी एकत्र कीजिए ।

Answer. जलियाँवाला बाग़ पंजाब में स्थित है ।13 अप्रैल 1919 को यहाँ स्वतंत्रता अन्द्दोलन को लेकर एक जन सभा आयोजित कि गयी थी। जिमसें हज़ारों कि संख्या में लोगों ने भाग लिया था । यह बात अंग्रेजी शासन के जनरल डायर को अच्छी नहीं लगी । उन्होंने वहाँ पर लोगों पर गोल्लियाँ बरसाकर बेरहमी से मार दिया । आज भी वहाँ गूलियों के निशान मौजूद है।

Page : 65 , Block Name : योग्यता विस्तार

Q3 अहमदाबाद में बापू के आश्रम के विषय में चित्रात्मक जानकारी एकत्र कीजिए ।

Answer. छात्र स्वयं करें ।

Page : 65 , Block Name : योग्यता विस्तार

Q4 सूर्योदय के 2-3 घंटे पहले पूर्व दिशा में या सूर्योदय के 2-3 घंटे बाद पश्चिम दिशा में एक खूब

चमकता हुआ ग्रह दिखाई देता है, वह शुक्र ग्रह है । छोटी दूरबीन से इसकी बदलती हुई कलाएं देखी जा सकती है ,जैसे चंद्रमा कि कलाएँ ।

Answer. छात्र स्वयं करें ।

Page : 65 , Block Name : योग्यता विस्तार

Q5 वीराने में जहाँ बत्तियां न हों वहाँ अँधेरी रात में जब आकाश में चाँद भी दिखाई न दे रहा हो तब शुक्र ग्रह (जिसे हम शुक्र तारा भी कहते है) के प्रकाश से अपने साए को चलते हुए देखा जा सकता है । कभी अवसर मिले तो इसे स्वयं अनुभव करके देखिए ।

Answer. छात्र स्वयं करें ।

Page : 65 , Block Name : योग्यता विस्तार

aglasem.com